

100 Years of Union Public Service Commission

The Union Public Service Commission (UPSC) stands as one of India's most respected constitutional institutions, embodying the principles of integrity, meritocracy, impartiality, and excellence in public service. The origins of the Commission can be traced to the provisions of the Government of India Act, 1919, and the recommendations of the Lee Commission (1924), which led to the establishment of the Public Service Commission on 1 October 1926. It subsequently became the Federal Public Service Commission in 1937 and, with the adoption of the Constitution of India on 26 January 1950, assumed its present form as the Union Public Service Commission.

Under Article 320 of the Constitution, UPSC is entrusted with conducting examinations for recruitment to the Union's civil services, selecting candidates through interviews, advising on appointments by promotion, deputation and absorption, framing and amending recruitment rules, examining disciplinary matters, and advising the President on issues referred to it.

Over the past hundred years, UPSC has remained steadfast in its commitment to ensuring that appointments to the civil services are made through a transparent, fair, and merit-based process. The Commission has continuously evolved by embracing technological advancements, refining its

examination and recruitment processes, and adapting to the changing needs of governance while preserving the highest standards of impartiality and public trust. Through its unwavering pursuit of excellence, UPSC has enabled generations of dedicated civil servants to contribute meaningfully to nation-building and public welfare.

The centenary celebrations provide an opportunity to honour the Commission's remarkable journey, reflect upon its invaluable contributions, and envision its future role in an increasingly dynamic and aspirational India. The occasion also reaffirms the timeless values that define the institution—integrity, inclusivity, trust, innovation, and an unwavering commitment to public service.

The Department of Posts is pleased to issue a Commemorative Postage Stamp on the occasion of the completion of 100 years of the Union Public Service Commission, paying tribute to an institution that has, for a century, upheld the ideals of merit, fairness, and constitutional governance while contributing significantly to the progress and development of the nation.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/

Cancellation Cachet : Shri Sankha Samanta

Text

: Based on the content provided by the proponent



डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS



संघ लोक सेवा आयोग के 100 वर्ष
100 YEARS OF UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION



विवरणिका BROCHURE

संघ लोक सेवा आयोग के 100 वर्ष

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) भारत के सबसे प्रतिष्ठित संवैधानिक संस्थाओं में से एक है, जो लोक सेवा के क्षेत्र में ईमानदारी, योग्यता, निष्पक्षता और उत्कृष्टता के सिद्धांतों का मूर्त रूप है। आयोग के उद्भव की बात करें तो भारत सरकार अधिनियम, 1919 के प्रावधानों तथा ली आयोग (1924) की सिफारिशों को इसका आधार माना जा सकता है, जिनके परिणामस्वरूप 1 अक्तूबर, 1926 को लोक सेवा आयोग की स्थापना हुई। तत्पश्चात, वर्ष 1937 में यह 'फेडरल लोक सेवा आयोग' बन गया तथा 26 जनवरी, 1950 को भारत के संविधान के लागू होने के साथ ही इसने 'संघ लोक सेवा आयोग' के रूप में अपना वर्तमान स्वरूप ग्रहण किया।

संविधान के अनुच्छेद 320 के तहत, संघ लोक सेवा आयोग को, संघ की लोक सेवाओं में भर्ती के लिए परीक्षाएं आयोजित करने, साक्षात्कार के माध्यम से उम्मीदवारों का चयन करने, पदोन्नति, प्रतिनियुक्ति और आमेसन के माध्यम से नियुक्तियों के संबंध में परामर्श देने, भर्ती नियमों का निर्धारण एवं संशोधन करने, अनुशासनात्मक मामलों की जांच करने तथा आयोग को संदर्भित मामलों पर राष्ट्रपति को सलाह देने का दायित्व सौंपा गया है।

पिछले सौ वर्षों में, संघ लोक सेवा आयोग यह सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग रहा है कि सिविल सेवाओं के अंतर्गत नियुक्तियां पारदर्शी, निष्पक्ष और योग्यता-आधारित प्रक्रिया के माध्यम से की जाएं। आयोग ने निष्पक्षता के उच्चतम मानकों तथा जनता के भरोसे को बनाए रखते हुए नई प्रौद्योगिकी को अपनाकर तथा अपनी परीक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं को परिष्कृत कर एवं शासन की बदलती जरूरतों के अनुरूप लगातार विकसित हुआ है। उत्कृष्टता के अपने ध्येय को प्राप्त करने के पथ पर अग्रसर

रहते हुए संघ लोक सेवा आयोग ने समर्पित सिविल सेवकों की पीढ़ियों को राष्ट्र-निर्माण और लोक कल्याण की दिशा में सार्थक योगदान करने में सक्षम बनाया है।

यह शताब्दी उत्सव, आयोग की असाधारण यात्रा के प्रति सम्मान व्यक्त करने, इसके अमूल्य योगदान को रेखांकित करने और निरंतर उर्जस्वित एवं नई आकांक्षाओं से भरे भारत में अपनी भावी भूमिका की परिकल्पना का अवसर प्रदान करता है। यह अवसर उन कालजयी मूल्यों की भी पुष्टि करता है, जो सत्यनिष्ठा, समावेशिता, विश्वास, नवाचार और जनसेवा हेतु आयोग की अटूट वचनबद्धता को परिभाषित करते हैं।

डाक विभाग, संघ लोक सेवा आयोग के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर स्मारक डाक-टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है। यह डाक-टिकट संघ लोक सेवा आयोग के प्रति सम्मान का प्रतीक है, जिसने एक सदी से राष्ट्र की प्रगति और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान करते हुए योग्यता, निष्पक्षता और संवैधानिक शासन के आदर्शों को अक्षुण्ण बनाए रखा है।

आभार:

डाक-टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका/

विरूपण कैंशे : श्री शंख सामंत

पाठ : प्रस्तावक द्वारा प्रदत्त सामग्री पर आधारित

तकनीकी आंकड़े TECHNICAL DATA

मूल्य	:	500 पैसे
Denomination	:	500 p
मुद्रित डाक टिकटें	:	303300
Stamps Printed	:	303300
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamps, Miniature Sheets, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00